Hindi Diwas Speech in Hindi For Students

मेरे आदरणीय प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षक गण के साथ साथ मेरे सभी प्यारे सहपाठियों को मेरा सुप्रभात। मेरा नाम (अपना नाम) है, और मुझे आज हिंदी दिवस के अवसर पर भाषण प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ है जिसके लिए मैं आप सब का आभार प्रकट करना चाहता हूं।

साथियों जैसा कि हम सब जानते हैं हर साल हिंदी दिवस 14 सितंबर को पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है। इस प्रथा को 1953 में शुरू किया गया था हिंदी दिवस मनाने का मकसद देश में हिंदी भाषा के प्रति जागरुकता और हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार का है। अनादि काल से भारत अपनी विविध संस्कृति विभिन्न धर्म समुदाय और जाति की वजह से जाना जाता है। भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जहां इतने प्रकार के धर्म जाति रंग-रूप और अलग अलग संस्कृति के लोग एक साथ मिलकर रहते है। मगर इन सभी लोगों को भारत देश के रूप में पूरे विश्व भर में चिन्हित किया जाता है जहां देश के सरकार का एक मुख्य भाषा होना चाहिए था। इसी वजह से 14 सितंबर 1949 को हिंदी भाषा भारत की राज्य भाषा बनती है।

इसी के साथ कुछ लोगों के बीच यह विवाद शुरु होता है कि अगर भारत में अलग-अलग समुदाय और अलग-अलग जाति के लोग रहते हैं तो केवल हिंदी को राजभाषा का दर्जा क्यों दिया जा रहा है। कुछ सालों तक चले इस विवाद के बाद सरकार इस नतीजे पर पहुंचती है कि भारत में सबसे अधिक हिंदी भाषा बोली जाती है और हिंदी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसे पूरे भारतवर्ष में समझा जा सकता है। इस वजह से हिंदी भाषा को भारत की राष्ट्रभाषा घोषित की जाती है और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार साथी हिंदी साहित्य से जुड़े साहित्यकारों को उनका उचित सम्मान दिलाने के लिए 14 सितंबर 1953 से हिंदी दिवस की शुरुआत की जाती है।

हिंदी एक बहुत ही खूबसूरत भाषा है, जिसमें शब्दों को बनाने और अपनी बात को लोगों के समक्ष रखने का अंदाज किसी के भी दिल को मोह लेता है। मगर वर्तमान समय में भारत में हिंदी से अधिक महत्व अंग्रेजी को दिया जा रहा है इस वजह से भारत की राष्ट्रभाषा को वह दर्जा नहीं मिल पाता है जिसकी वह हकदार है। इसी कारण से हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य को पूरे भारतवर्ष में फैलाने के लिए उचित तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए हिंदी दिवस का त्यौहार हर साल पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है। हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर अलग-अलग जगहों पर समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें हिंदी साहित्य और हिंदी भाषा पर बात की जाती है। केंद्र सरकार की तरफ से भी हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी साहित्य से जुड़े साहित्यकारों को विभिन्न प्रकार के पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

वर्तमान समय में इंटरनेट का युग आ चुका है, जिस वजह से हिंदी भाषा का महत्व बड़ी तेजी से बढ़ा है और लोग हिंदी साहित्य की तरफ बढ़ रहे है। हम उम्मीद करते हैं इस तरह हिंदी दिवस के दिन अलग-अलग प्रकार के आयोजन करने से लोग हिंदी भाषा के प्रति आकर्षित होंगे और हिंदी साहित्य का पूरे भारतवर्ष में प्रचार-प्रसार हो पाएगा इसी के साथ हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मैं अपने हिंदी दिवस के इस भाषण को समाप्त करने की इजाजत चाहता हूं।